ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही सखी उत्पादन समिति

हिन्दुस्तान ज़िंक के सीएसआर के तहत् स्थापित लघु उद्योग से महिलाएं बनी उद्यमी

बिज़नेस रेमेडीज

हिन्दुस्तान ज़िंक के सीएसआर के तहत् विभिन्न परियोजनाएं चलायी जा रही है जिनमें लघु उद्योगों को बढ़ावा देना प्रमुखता से है। विगत 5 वर्षो में दो महिला उद्योग स्थापित किये गये जिसमें महिलाएं उद्यमी बनकर उभरी है। अगस्त 2021 में स्थापित महिला-स्वामित्व और महिला-नेतृत्व वाला सामाजिक उद्यम, सखी उत्पादन समिति ग्रामीण राजस्थान की महिलाओं के जीवन में एक बड़ा बदलाव ला रहा है। हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम, सखी पहल से शुरू की गयी यह समिति, 30 हजार से अधिक महिलाओं को 2 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित कर सशक्त बना रही है। इन समूहों ने सामूहिक रूप से 18.8 करोड़ की बचत की है और 100.6 करोड़ रूपयें से अधिक के ऋण प्राप्त किए हैं, जिससे हजारों ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिली है।

उदयपुर के निकट जावर गांव की इंदिरा मीणा, नमकीन इकाई से जुड़ी हुई है, अपना अनुभव बताते हुए वह कहती है कि, मेरे घर के पास नमकीन इकाई का खुलना मेरे लिए एक सच्चा आशीर्वाद रहा है। हर दिन, मैं यहाँ आने, अपनी साथी सखियों के साथ काम करने और स्वादिष्ट नमकीन बनाने की कला सीखने का बेसब्री से इंतजार करती हूँ। हमारा नमकीन सभी शुद्ध सामग्री के साथ, शुद्ध कोल्ड-प्रेस्ड तेल और इन-हाउस मसाले से बनी है। आज, मैं गर्व से अपने पैरों पर खड़ी हूँ, अपने बेटे की शिक्षा में सहयोग कर रही हूँ और घर का प्रबंधन कर रही हूँ। मेरे साथ कार्य करने वाली सभी महिलाएं मेरी बहनों और परिवार की तरह हैं, जो हम सभी को सशक्त करता है। सखी द्वारा निर्मित उत्पाद और परिधान बने

आमजन की पसंद जिंक ने सखी समूहों की आय सृजन को प्राथमिकता समझते हुए सखी के उत्पादों को बेचने के लिए स्थानिय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बिक्री और बाजार से जोडा है ताकि सखी महिलाओं के बने उत्पाद सीधे बाजार में पहुंचे। सखी उत्पादन समिति के तहत दो मुख्य ब्रांड हैं। दायची यह ब्रांड पारंपरिक तरीकों और प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर तैयार किए गए शुद्ध और केमिकल-मुक्त खाद्य उत्पाद जैसे घी, अचार, कोल्ड-प्रेस्ड तेल, मसाले और नमकीन प्रदान करता है, जो सीधे किसानों से प्राप्त होते हैं। दूसरा ब्रांड उपाया जिसमें पारंपरिक राजस्थानी हैंड-ब्लॉक प्रिंट और प्राकृतिक रंगों को समकालीन डिजाइनों के साथ मिलाकर आरामदायक, कार्यात्मक और किफायती परिधान बनाए जाते हैं। डिजायनर कपड़े, बेग, होम डेकोर को आमजन द्वारा पंसद किया जा रहा है।

सखी उत्पादन समिति ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर देने और उन्हें गरिमा के साथ कमाई करने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कई महिलाएं, जिन्होंने पहले कभी घर से बाहर काम नहीं किया था, अब अपने परिवारों और समुदायों में आदर्श बन गई हैं। वे अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से सामाजिक बाधाओं को तोड़ रही हैं और अन्य महिलाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वर्तमान में, राजस्थान और उत्तराखंड में स्थित 14 उत्पादन इकाइयों जिनमें 8 कपड़ा और 6 खाद्य इकाइयाँ संचालित है एवं 200 से अधिक महिलाएँ कार्यरत हैं।

इसके अतिरिक्त, 100 से अधिक बिजनेस सखी ग्रामीण बिक्री एंबेसेडर के रूप में कार्यरत हैं, जो आस-पास के गाँवों और कस्बों में हस्तनिर्मित उत्पाद बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करती हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, इन बिजनेस सखियों ने सामूहिक रूप से 39.5 लाख कमाए एवं सखी उत्पादन समिति ने 2.31 करोड़ का राजस्व दर्ज किया, जो महिलाओं की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाता है।

महिलाओं को उद्यमी बनाने में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : हिन्दुस्तान जिंक ग्रामीण महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड कर उन्हें उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हिन्दुस्तान जिंक अपने सामाजिक सरोकार के तहत महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए विगत 7 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का स्वंय सहायता समूह बनाकर उनक रूचि एवं आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण देकर समाज में अपनी अलग ही पहचान दिलाने का अनुठा प्रयास कर रहा है। फलस्वरूप इस अभियान से जुडी महिलाओं में अदम्य विश्वास मुखरित हुआ है।

भारत का चीनी सेक्टर 1.3 लाख करोड़ रुपए का उद्योग बना : प्रल्हाद जोशी

बिज़नेस रेमेडीज/
नई दिल्ली/आईएएनएस

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का चीनी सेक्टर 1.3 लाख करोड़ रुपए का उद्योग बन गया है, जिसने रिकॉर्ड इथेनॉल मिश्रण और ईंधन में आत्मनिर्भरता जैसे सुधारों के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा और हरित ऊर्जा को बढ़ावा दिया है।

डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 'को-ऑपरेटिव शुगर इंडस्ट्री कॉनक्लेव 2025' में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह देखना प्रेरणादायक है कि कैसे इस सेक्टर का विकास भारत के लिए एक सस्टेनेबल और आत्मनिर्भर भविष्य को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सामूहिक शक्ति, इनोवेशन और दक्षता ने इस सेक्टर को बदल दिया है। केंद्रीय मंत्री जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, कि डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'कोऑपरेटिव शुगर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2025' और 'नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड सेरेमनी' को संबोधित किया, जहां हमने भारत के शुगर कॉ-ऑपरेटिव सेक्टर की प्रगति का जश्न मनाया। केंद्रीय मंत्री ने पहले इस बात पर प्रकाश डाला था कि भारत में लगभग 5 करोड़ किसान गन्ने की खेती में लगे हुए हैं और यह उद्योग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पर्याप्त रोजगार के अवसर दे रहा है। उन्होंने जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण और उपभोक्ताओं के साथ-साथ उद्योग के हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जिससे कृषि पद्धतियों में सुधार के लिए सहयोगात्मक प्रयास सुनिश्चित होते हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने चीनी और जैव ईंधन सेक्टर में टेक्नोलॉजी और स्किल को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। चीनी पर भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक निर्भरता पर जोर देते हुए उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े चीनी उपभोक्ता और एक महत्वपूर्ण जैव ईंधन उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति का उल्लेख किया, जिसने पेट्रोल के साथ 12 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल मिश्रण प्राप्त किया है और जल्द ही 20 प्रतिशत तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में जैव ईंधन की भूमिका को रेखांकित किया।

भारतीय सीमेंट क्षेत्र में मांग वित्त वर्ष 2026 में 7-8 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

बिज़नेस रेमेडीज/
नई दिल्ली/आईएएनएस

भारतीय सीमेंट क्षेत्र में मांग वित्त वर्ष 2026 में 7-8 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है और संरचनात्मक कारकों के कारण यही मांह वित्त वर्ष 2026-29 में 6 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ेगी। यह जानकारी शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

बीएनपी परिबास इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि कीमतों में तेजी से सुधार हुआ है और मानसून के जल्दी आने के बावजूद कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, लेकिन मौजूदा स्तरों पर कीमतों की स्थिरता वित्त वर्ष 2026 की लाभप्रदता के लिए महत्वपूर्ण है। विश्लेषक निरांश जैन ने कहा, कि हमें उम्मीद है कि इंडस्ट्री प्लेयर्स द्वारा

लाभप्रदता को प्राथमिकता दिए जाने और उद्योग के निरंतर कंसोलिडेशन के कारण प्राइसिंग पावर में सुधार होगा। भारत का सीमेंट क्षेत्र उत्पादन के हिसाब से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन गया है। हालांकि हाल के वर्ष नई सप्लाई, कम उपयोग और सीमित मूल्य निर्धारण शक्ति के मामले में चुनौतीपूर्ण रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, 'हमें लगता है कि साइकल अब बदल रहा है और बेहतर दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रहा है।'

उद्योग को ओवरसप्लाई की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है, लेकिन हम उद्योग के कंसोलिडेटेड होने के साथ मांग/आपूर्ति की गतिशीलता में सुधार देख रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में मई में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले महीने सीमेंट, स्टील, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। मंत्रालय ने कहा कि फरवरी, मार्च और अप्रैल के लिए आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर क्रमशः 3.4, 4.5 और 1.0 प्रतिशत देखी गई। आईसीआरए की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सीमेंट सेक्टर की वॉल्यूम मई में सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 39.6 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है। वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीनों में सीमेंट सेक्टर में सकारात्मक रुझान जारी रहा, जिससे वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है।

भारत 153 देशों को निर्यात करता है खिलौने, सरकार एक और प्रोत्साहन योजना लाने की तैयारी में : पीयूष गोयल

बिज़नेस रेमेडीज/
नई दिल्ली/आईएएनएस

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का खिलौना उद्योग, जो कभी आयात पर बहुत अधिक निर्भर था, अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। 16वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025' को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है।उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है। उन्होंने बताया कि सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है।

Rex Pipes & Cables Beyond... Imagination

रेक्स पाइप्स एंड केबल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(सीआईएन: L31300RJ2002PLC017714)

पंजीकृत कार्यालय: एफ-69ए, रीको औद्योगिक क्षेत्र, सीकर, राजस्थान-332001

एजीएम नोटिस

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी के सदस्यों की 23वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) सोमवार, 11 अगस्त, 2025 को दोपहर 01:00 बजे एजीएम के नोटिस में निर्धारित विषय पर विचार विमर्श करने के लिए एफ-69ए, रीको औद्योगिक क्षेत्र, सीकर, राजस्थान -332001 पर आयोजित होने वाली है। वार्षिक रिपोर्ट के साथ उक्त नोटिस सभी सदस्यों को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजा गया है और यह कंपनी की वेबसाइट www.rpsil.com पर भी उपलब्ध है।

बैठक में भाग लेने और मतदान करने का हकदार सदस्य अपने स्थान पर उपस्थित होने और मतदान करने के लिए एक प्रॉक्सी नियुक्त करने का हकदार है और प्रॉक्सी को कंपनी का सदस्य होना जरूरी नहीं है। प्रभावी होने के लिए, प्रॉक्सी फॉर्म को एजीएम शुरू होने से कम से कम 48 घंटे पहले विधिवत पूरा करके और हस्ताक्षरित करके कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के प्रावधानों, समय-समय पर संशोधित कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 सपठित लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 44 के अनुपालन में:

क) कंपनी अपने सदस्यों को उक्त एजीएम के नोटिस में निर्धारित प्रस्तावों पर चुनाव के माध्यम से वोट डालने के लिए रिमोट ई-वोटिंग सुविधा प्रदान कर रही है।

ख) रिमोट ई-वोटिंग शुक्रवार, 08 अगस्त 2025 को प्रातः 10.00 बजे से प्रारंभ होकर रविवार, 10 अगस्त 2025 को सायं 5.00 बजे समाप्त होगी।

ग) मतदान के लिए पात्र सदस्यों के निर्धारण की अंतिम तिथि 1 अगस्त, 2025 है।

घ) कोई भी व्यक्ति, जो एजीएम की सूचना भेजने और शेयर रखने और कट-ऑफ तारीख के बाद कंपनी के शेयर हासिल करता है और कंपनी का सदस्य बन जाता है, वह evoting@nsdl.co.in पर या evoting@kfintech.com (आरटीए) अनुरोध करके लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी प्राप्त कर सकता है । हालाँकि यदि व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग के लिए पहले से ही एनएसडीएल के साथ पंजीकृत है तो वोट डालने के लिए मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग किया जा सकता है।

सदस्य यह नोट कर सकते हैं कि:

वोटिंग के लिए उपरोक्त तिथि और समय के बाद एनएसडीएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल अक्षम कर दिया जाएगा। एक बार जब सदस्य द्वारा संकल्पों पर वोट डाल दिया जाता है, तो सदस्य को बाद में इसे बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसी भी प्रश्न के मामले में, आप शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग पर उपलब्ध शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता मैनुअल का संदर्भ ले सकते हैं। सदस्य कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी मोनिका बोहरा को cs@rpsil.com पर भी लिख सकते हैं या 01572-245009/6376913156 पर कॉल कर सकते हैं।

रेक्स पाइप्स एंड केबल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए
कृते/-
मोनिका बोहरा
कंपनी सचिव

स्थान: सीकर
दिनांक: 05-07-2025

सेल ने वैश्विक उपस्थिति को मजबूत बनाने के लिए दुबई में नए कार्यालय का उद्घाटन किया

बिज़नेस रेमेडीज/
नई दिल्ली/आईएएनएस

भारत के सबसे बड़े इस्पात उत्पादकों में से एक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने दुबई में अपने प्रतिनिधि कार्यालय का उद्घाटन किया है। मध्य पूर्व में यह सेल का पहला अंतरराष्ट्रीय कार्यालय है। इससे वैश्विक स्तर पर कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी।

केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने इस कार्यालय का उद्घाटन दुबई में भारत के महावाणिज्यदूत सतीश कुमार सिवन, सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश, एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव वी.के. त्रिपाठी और सेल, इस्पात मंत्रालय, एनएमडीसी और मेकॉन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित दुबई कार्यालय सेल के इस्पात निर्यात को बढ़ावा देने और भारत-यूएई व्यापार संबंधों को मजबूत करने में सहायता प्रदान करेगा।

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में दुबई की भूमिका और निवेशक-अनुकूल वातावरण इसे उभरते बाजारों में विस्तार के लिए एक आदर्श आधार बनाता है। यह पहल भारत के इस्पात उद्योग की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने और 2030 तक 300 मिलियन टन के राष्ट्रीय इस्पात उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह सेल के एक वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी इस्पात निर्माता के रूप में विकासित होने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है और अंतरराष्ट्रीय इस्पात क्षेत्र में भारत की निरंतर होती प्रगति की स्थिति को दर्शाता है। वित्त वर्ष 25 की जनवरी-मार्च अवधि में सेल का मुनाफा सालाना आधार पर 16.5 प्रतिशत बढ़कर 1,011 करोड़ रुपए पहुंच गया था।

BANSWARA **बांसवाड़ा सिंटेक्स लिमिटेड**

सीआईएनः L24302RJ1976PLC001684

पंजीकृत कार्यालयः औद्योगिक क्षेत्र, दाहोद रोड, पी.बी. नं. 21, बांसवाड़ा (राजस्थान)

फोन नंबरः 02962-240692, 257694, 257680

वेबसाइटः www.banswarasyntex.com ईमेलः secretarial@banswarasyntex.com

49वीं वार्षिक साधारण सभा ('एजीएम') एवं ई-वोटिंग की सूचना

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बांसवाड़ा सिन्टेक्स लिमिटेड ('कंपनी') के सदस्यों की 49वीं वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) बुधवार, 30 जुलाई, 2025 को साय 4:00 बजे भारतीय मानक समय ('आईएसटी'), वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ('वीसी') / अन्य ऑडियो विजुअल साधनों ('ओएवीएम') के माध्यम से नोटिस में सूचीबद्ध व्यवसायों को संचालित करने के लिए आयोजित की जाएगी। कंपनी ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (एमसीए सर्कुलर्स) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी सर्कुलर्स) के अनुसार कंपनी द्वारा निर्धारित कट ऑफ तिथि यानी शुक्रवार, जून 20, 2025 तक शेयरधारक है, को इलेक्ट्रॉनिक मोड द्वारा शनिवार, 05 जुलाई, 2025 को एजीएम की सूचना के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का वेबलिंक उन सदस्यों को भेज दिया है, जिनकी ईमेल आईडी कंपनी/आरटीए/डिपॉजिटरी प्रतिभागी (प्रतिभागियों) के पास पंजीकृत हैं।

सेबी लिस्टिंग विनियमन के विनियमन 36 (1) (बी) के अनुपालन में, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक रिपोर्ट तक पहुंचने के लिए वेबलिंक प्रदान करने वाला एक पत्र उन शेयरधारकों को भेजा गया, जिनकी ईमेल आईडी कंपनी/आरटीए/डिपॉजिटरी प्रतिभागी (प्रतिभागियों) के साथ पंजीकृत नहीं की हैं।

कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 108 के प्रावधानों के साथ पठित कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 ('सेबी लिस्टिंग विनियम') के विनियम 44, एमसीए परिपत्र, सेबी परिपत्र तथा भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी किये गये साधारण सभा पर सचिवीय मानक ('एसएस-2') के अनुपालन में, कंपनी अपने सभी सदस्यों को एजीएम की सूचना में निर्धारित नियम 20 जैसा की समय-समय पर संशोधित किया गया है, कंपनी सदस्यों को एजीएम के नोटिस में निर्धारित सभी प्रस्तावों पर अपने वोट का प्रयोग करने के लिए रिमोट ई-वोटिंग और एजीएम के दौरान ई-वोटिंग सुविधा ('सामूहिक रूप से ई वोटिंग के रूप में संदर्भित') सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ('सीडीएसएल') के माध्यम से प्रदान कर रही है। सदस्यों को वोट डालने का अधिकार बुधवार, 23 जुलाई, 2025 ('कट-ऑफ तिथि') के अनुसार कंपनी की पेड अप इक्विटी शेयर पूंजी में उनके द्वारा रखे गए इक्विटी शेयरों के अनुपात में होंगे।

कंपनी के सदस्य, जो कट ऑफ तिथि तक भौतिक रूप में या अभौतिक रूप में शेयर रखते हैं, वे रिमोट ई-वोटिंग का विकल्प चुन सकते हैं। रिमोट ई-वोटिंग की अवधि शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025 को सुबह 09:00 बजे, (आईएसटी), से शुरू होगी और मंगलवार, 29 जुलाई, 2025 को शाम 5:00 बजे (आईएसटी) पर समाप्त होगी। इसके बाद सीडीएसएल द्वारा ई-वोटिंग मॉड्यूल को निष्क्रिय कर दिया जाएगा। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाल दिया होगा, वे वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकेंगे लेकिन उन्हें प्रस्तावों पर फिर से वोट डालने का अधिकार नहीं होगा। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं डाला होगा, वे वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं और एजीएम के दौरान वोट कर सकते हैं।

कोई भी व्यक्ति, जो कंपनी के शेयरों का अधिग्रहण कंपनी द्वारा 49वीं एजीएम का नोटिस ई-मेल द्वारा भेजने के बाद करता है तथा कंपनी का सदस्य बन जाता है एवं कट ऑफ डेट अर्थात बुधवार, 23 जुलाई, 2025 को शेयर धारक है, वह helpdesk.evoting@cdslindia.com पर ई-मेल पर अनुरोध भेजकर उपयोगकर्ता यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। हालांकि, यदि सदस्य पहले से ही रिमोट ई-वोटिंग के लिए सीडीएसएल के साथ पंजीकृत है तो वह वोट डालने के लिए अपने मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है।

अंतिम लाभांश के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के उद्देश्य से रिकॉर्ड तिथि बुधवार, 23 जुलाई, 2025 है। अंतिम लाभांश का भुगतान आगामी 49वीं वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन किया जाएगा।

निदेशक मंडल ने मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए मेसर्स आरती दत्ताराम एंड एसोसिएट्स (प्रोपराइटर आरती शिंदे, एसीएस 15976), प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी को स्क्रूटिनाइजर नियुक्त किया है।

किसी भी प्रश्न के उत्तर के लिये आप www.evotingindia.com के हेल्प अनुभाग पर उपलब्ध शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका देख सकते है या टोल फ्री नंबरः 1800 21 09911 पर कॉल कर सकते हैं या helpdesk.evoting@cdslindia.com पर अनुरोध भेज सकते हैं या श्री राकेश दलवी, वरिष्ठ प्रबंधक, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, ए विंग, 25वीं मंजिल, मैराथन फ्यूचरएक्स, मफतलाल मिल कंपाउंड्स, एन एम जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई 400013 से निर्दिष्ट ई-मेल आईडी पर संपर्क कर सकते हैं जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वोटिंग से जुड़ी शिकायतों का समाधान भी करेंगे। सदस्य कंपनी सचिव को कंपनी के ईमेल पते secretarial@banswarasyntex.com पर भी लिख सकते हैं।

एजीएम की सूचना, वार्षिक रिपोर्ट और एजीएम के अन्य प्रासंगिक विवरण कंपनी की वेबसाइट www.banswarasyntex.com/financial-results/, सीडीएसएल की वेबसाइट www.evotingindia.com बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.nseindia.com पर उपलब्ध हैं।

वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से 49वीं एजीएम में भाग लेने की विस्तृत प्रक्रिया, रिमोट ई-वोटिंग एवं एजीएम में ई-वोटिंग और ईमेल आईडी पंजीकृत करने की प्रक्रिया 49वीं एजीएम की सूचना में दी गई है। सदस्यों से अनुरोध है कि एजीएम की सूचना में उल्लेखित सभी मामलों और विशेष रूप से एजीएम में शामिल होने के निर्देश, रिमोट ई-वोटिंग या एजीएम के दौरान ई वोटिंग के माध्यम से वोट डालने के तरीके को ध्यान से पढ़ें।

बांसवाड़ा सिन्टेक्स लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षर
केतन कुमार दवे
कंपनी सचिव
ए.सी.एसः 52309

स्थानः बांसवाड़ा
दिनांकः 05 जुलाई 2025

ट्रूफ्लो बाय हिंदवेयर ने रुड़की प्लांट के उद्घाटन के साथ मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क का विस्तार किया

बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली

ट्रूफ्लो बाय हिंदवेयर, प्लास्टिक पाइप और फिटिंग सेगमेंट में सबसे तेजी से ग्राहकों की पहली पसंद बन रहे ब्रांड ने आज उत्तराखंड के रुड़की में अपने नए अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन की घोषणा की। इस नए प्लांट की शुरुआत के साथ, प्लांट में ट्रॉयल प्रोडक्शन आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। कंपनी के तीसरे प्लांट के रूप में, यह रणनीतिक विस्तार ट्रूफ्लो के लॉन्गटर्म ग्रोथ की योजना को मजबूत करने और हाई क्वालिटी प्लास्टिक पाइपिंग सॉल्यूशंस की भारत में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन और डेवलप किया गया नया प्लांट है। प्लांट का उद्घाटन सोमानी संदीप सोमानी, चेयरमैन, सोमाना इम्प्रेसा ग्रुप और शाश्वत सोमानी, स्ट्रेटजी हेड, सोमानी इम्प्रेसा ग्रुप ने किया।

राजेश पजनू, सीईओ, ट्रूफ्लो

बाय हिंदवेयर लिमिटेड ने कहा कि 'रुड़की प्लांट में ट्रायल प्रोडक्शन की शुरुआत हमारी मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक विस्तार उत्तर और पश्चिम भारत में हमारे प्रमुख मार्केट्स में हमारे उत्पादों की पैठ बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, तथा यह सुनिश्चित करेगा कि हमारे विस्तृत पाइपिंग सॉल्यूशंस अलग अलग ग्राहकों की अलग अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से उपलब्ध हों।' नए प्लांट के उद्घाटन पर प्रतिक्रिया देते हुए संदीप सोमानी, चेयरमैन, सोमानी इम्प्रेसा ग्रुप ने कहा कि, 'रुड़की प्लांट में ट्रायल प्रोडक्शन की शुरुआत के साथ विस्तारित क्षमता के लिए ग्रुप के विजन को आगे बढ़ते हुए देखकर मुझे गर्व है। संगारेड्डी में अपना पहला प्लांट स्थापित करने के सात साल के भीतर इस महत्वपूर्ण विस्तार को सफलतापूर्वक हासिल करना हमारी टीम के समर्पण और भावना का प्रमाण है। यह नया प्लांट हमारी प्रोडक्शन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है, बेहतर क्वालिटी वाले उत्पाद देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है और भारतीय प्लास्टिक पाइप और फिटिंग बाजार में सबसे तेजी से बढ़ते ब्रांड के रूप में ट्रूफ्लो के नेतृत्व को मजबूत करती है।' 170 करोड़ रुपए के निवेश से निर्मित नया रुड़की प्लांट 12,500 टन प्रति वर्ष (टीपीए) की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता को सपोर्ट करने के लिए बनाया गया है। प्लांट की स्ट्रेटजिक लोकेशन भारत के उत्तर और पश्चिम क्षेत्रों में कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क और डिस्ट्रीब्यूशन दक्षता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए तैयार है। इस नए प्लांट के खुलने के साथ, मौजूदा संगारेड्डी प्लांट सहित कंपनी की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 80,500 टीपीए तक पहुंच जाएगी, जिससे इसकी कुल मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और ऑपरेशनल दायरा और उपलब्धता मजबूत होगी। नया प्लांट सीपीवीसी, यूपीवीसी और एसडब्ल्यूआर, पीवीसी पाइप और फिटिंग और ओवरहेड वॉटर स्टोरेज टैंक की एक विस्तृत सीरीज की प्रोडक्शन करेगा। अपनी उत्पादन क्षमताओं से अलग, नया प्लांट स्थानीय इकोनॉमी में भी योगदान देने के लिए तैयार है और इस क्षेत्र में 200 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगा। ट्रूफ्लो बाय हिंदवेयर के 320 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स और 30,000 से अधिक डीलर्स का नेटवर्क देश भर में व्यापक प्रोडक्ट पोर्टफोलियो की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। अपने नेटवर्क को और मजबूती देने के लिए, कंपनी प्लंबिंग कम्युनिटी के साथ रणनीतिक जुड़ाव के माध्यम से मजबूत बाजार कनेक्शन और ब्रांड रिकॉल को प्रोत्साहित करती है, जिसमें ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म और 100,000 से अधिक प्लंबरों का डेटाबेस शामिल है।